Date ___ / ___ / ___

भारत में सूती वस्त्र के उत्पादन तथा वितरण प्रतिरूप का व्याख्या कीजिए।

भारत मे सूती वस्त्र उद्योग।

भारत मे सूती वस्त्र उद्योग का उत्पादन प्रतिरूप —

~~सूत~~ सूती वस्त्र उत्पादन की दृष्टि से भारत विश्व मे चीन के बाद दूसरा स्थान रखता है। सन् २००० मे देश मे 1,899 करोड़ वर्ग मीटर सूती कपड़ा तथा २४२.5 करोड़ कि० सूती धागा उत्पादित किया गया देश में उत्पादित कुल सूती कपड़े विकेन्द्रित क्षेत्र का योगदान लगभग 90% तथा मिल क्षेत्र का योगदान लगभग 8% का रहता है।

भारत मे सूती वस्त्र उद्योग का वितरण

(1) महाराष्ट्र – उत्पादन की दृष्टि से देश मे सूती वस्त्र उत्पादन की दृष्टि से सर्वप्रथम राज्य में स्थान है। महाराष्ट्र में देश के कुल सूती वस्त्र उत्पादन मूल्य लगभग 45% भाग प्रतिवर्ष उत्पादित किया ~~जाता~~ जाता है मुम्बई के अतिरिक्त नागपुर शोलापुर पुना अमरावती कोल्हापुर अकोला तथा औरंगाबाद सूती वस्त्र उद्योग के अन्य महत्वपूर्ण केन्द्र है मुम्बई में घरेलू उपयोग का सूती कपड़ा बनता है जिसमे धोती कमीज का कपड़ा तथा चादरे प्रमुख

महाराष्ट्र मे सूती वस्त्र उद्योग –

(1) महाराष्ट्र राज्य में ही पर्याप्त कपास उत्पन्न हो जाती है। इसके अतिरिक्त मुम्बई बन्दरगाह द्वारा मिस्र और संयुक्त राज्य अमेरिका से उत्तम प्रकार की कपास आयात करने की सुविधाएं हैं

Saathi

Date __/__/____

(11) मुम्बई बन्दरगाह से सूती वस्त्र उद्योग की आधुनिक मशीनें विदेशों से आयात की जाती है।

(3) राज्य मे प्रचुर मात्रा मे कुशल श्रमिक उपलब्ध है

(4) मुम्बई समुद्र के किनारे स्थित है। इस कारण इसको प्राकृतिक रूप से नम जलवायु मिल जाती है।

(5) महाराष्ट्र की राज्य जल विद्युत परियोजनाओं से सस्ती जल विद्युत प्राप्त हो जाती है।

(6) प्रदेश व देश के विभिन्न भागों मे मुम्बई के सूती कपड़े की पर्याप्त माँग रहती है।

मुम्बई को सूती वस्त्र कपड़ो की राजधानी कहा जाता है। दास गुप्ता के शब्दो में मुम्बई को मानचेस्टर के सूती वस्त्र उद्योग के विशेषता और लिवरपुल की व्यापारिक एवं जहाजी योग्यता मिश्रित रूप से माँग करती है।

(2) गुजरात - यह राज्य सुती वस्त्रोत्पादन की दृष्टि से देश मे दुसरा स्थान रखता है। देश के कुल सुती वस्त्र उत्पादन मुल्य मे गुजरात राज्य का योगदान लगभग 23 प्रतिशत का रहता है। वर्तमान में यहाँ लगभग 128 मिले हैं। अहमदाबाद इस राज्य का सबसे प्रमुख केन्द्र है। यहाँ सूती कपड़े की लगभग 70 मिले हैं। इस नगर में देश के कुल वस्त्रोत्पादन का लगभग 16 प्रतिशत भाग उत्पादित होता है। इसी कारण इस नगर को भारत का मानचेस्टर कहा जाता है। बड़ौदा, भड़ौंच, सूरत भावनगर एवं राजकोट इस राज्य के अन्य सूती वस्त्र उद्योग के केन्द्र है।

अहमदाबाद में सूती वस्त्र उद्योग के कारण - (i) यह कपास के प्रमुख उत्पादक क्षेत्र में स्थित है। (ii) यहाँ मुम्बई की अपेक्षा सस्ते मजदूर मिलते है।

प्राचार्य
मीरा मेमोरियल महाविद्यालय
शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान
पाण्डेयपुर, ताखा, बलिया

Page No.

(iii) साहसी व्यापारियों व पूँजीपतियों से इस आधुनिक उद्योग को पर्याप्त पूँजी मिल जाती है।

(3) तमिलनाडु – इस प्रदेश मे 208 सूती मिले है जिनमे प्रमुख रूप से सूती धागा निर्मित किया जाता है। सूती धागा निर्माण की दृष्टि से तमिलनाडु का भारत मे प्रथम स्थान है जबकि सूती वस्त्र निर्माण मे इस राज्य का देश मे तीसरा स्थान है। कोयम्बटूर मदुरई तथा चेन्नई यहाँ के प्रमुख केन्द्र है। जबकि सलेम तिरुवाली कोकानाद अन्य सूती वस्त्र उद्योग के केन्द्र है

तमिलनाडु मे सूती उद्योग के कारक

नेवेली लिग्नाइट योजना से सस्ती तपीय विद्युत पायकारा योजना से सस्ती जल विद्युत और निकटवर्ती क्षेत्र से कपास मिल जाती है।

(4) मध्य प्रदेश (छतीसगढ़ सहित) मध्यप्रदेश की सूती वस्त्र उद्योग की लगभग 33 मिले है। इन्दौर, ग्वालियर, उज्जैन ~~खमाव~~ रतलाम भोपाल देवास मन्दसौर तथा नगदा इस प्रदेश के सूती वस्त्र उद्योग के महत्वपूर्ण

मध्य प्रदेश मे सूती उद्योग के कारक

महाराष्ट्र मे सटीत वर्धा और पूर्णा नदी घाटियों से पराचीमी मध्य प्रदेश की अधिकांश मिलो की पर्याप्त मात्रा मे कपास मिल जाती है। (ii) आदिवासियो की अधिकता से पर्याप्त मात्रा मे सस्ते मजदुर मिल जाते है

(iii) मध्य प्रदेश के कोयला क्षेत्रो मे इस मिलो

प्राचार्य
मीरा मेमोरियल महाविद्यालय
शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान

की पर्याप्त कोयला तथा चम्बल योजना से सम्बधी सस्ती बिजली मिल जाती है।

(5) राजस्थान – राजस्थान से सूती वस्त्र उद्योग की मिले प्रमुख रूप से जयपुर कोटा तथा जोधपुर मे सेकेन्द्रित है। राजस्थान मे देश के कुल सूती वस्त्र उत्पादन मुल्य का लगभग 4% तथा सूती धागा उत्पादन मूल्य का लगभग 3% भाग प्रतिवर्ष उत्पादित किया जाता है।

(6) पश्चिमी बंगाल – कोलकता के आसपास 48 किलोमीटर की परीधी मे 24 परगना हावड़ा और हुगली जिलो मे हुगली नदी के किनारे पर 45 मिले है। हावड़ा मे 14 मिलो और श्रीरामपुर मे 10 कारखाने है। अन्य उद्योगो के केन्द्र सोदपुर श्यामनगर तथा रिसरा है।

(7) उत्तर प्रदेश – इस प्रदेश की 41 कपड़ा मिलो मे लगभग 20 करोड़ मीटर कपड़ा तैयार होता है कानपुर इस प्रदेश का प्रमुख वस्त्र उद्योग केन्द्र है। जहाँ 14 मिले है। इस नगर को उत्तरी भारत का मान्चेस्टर कहते है। अन्य नगरो मे मुरादाबाद वराणसी मोदीनगर गाजियाबाद सहारनपुर हाथरस इटावा रामपुर और बरेली प्रमुख है।

(8) अन्य राज्यो के प्रमुख सूती वस्त्र केन्द्र – आन्ध्र प्रदेश मे हैदराबाद वारंगल तथा सिकन्दराबाद केरल मे त्रिवेन्द्रम कर्नाटक मे मैसूर बंगलूरू तथा बेलोरी हरियाणा मे रोहतक तथा भिवानी पंजाब मे अमृतसर तथा लुधियाना व बिहार मे भागलपुर गया तथा पटना सूती वस्त्र उद्योग है।

प्राचार्य
मीरा मेमोरियल महाविद्यालय
शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान
पाण्डेयपुर, ताखा, बलिया